भारत सरकार

रेल मंत्रालय

लोक सभा

11.02.2026 के

अतारांकित प्रश्न सं. 1965 का उत्तर

रेल क्षमता की मांग/उपलब्धता

1965. श्री मलविंदर सिंह कंग:

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार ने उत्तरी पंजाब में विशेष रूप से आनंदपुर साहिब, रूपनगर, ऊना और नंगल को प्रमुख शहरी केन्द्रों से जोड़ने वाले मार्गों पर यात्री मांग बनाम उपलब्ध रेल क्षमता का कोई गलियारा-वार आकलन किया है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) वर्ष 2024-26 की अवधि के दौरान उक्त मार्गों के लिए प्रस्तावित या विचाराधीन नई रेल सेवाओं, बारंबारता में वृद्धि या रेक को युक्तिसंगत बनाने का ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या इस क्षेत्र में सेवा विस्तार के लिए सिंगल लाइन सेक्शन, प्लेटफार्म की लंबाई या सिगनल उन्नयन से संबंधित बाधाओं को सीमित करने वाले कारकों के रूप में पहचान की गई है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(घ) व्यस्त अवधि के दौरान बार-बार होने वाली भीड़-भाड़ को ध्यान में रखते हुए आनंदपुर साहिब क्षेत्र में तीर्थयात्रियों और दैनिक यात्रियों के लिए रेल आधारित पहुंच में सुधार लाने के लिए उठाए गए अथवा उठाए जाने वाले कदमों का ब्यौरा क्या है?

उत्तर

रेल, सूचना और प्रसारण एवं इलेक्ट्रोनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री

(श्री अश्विनी वैष्णव)

(क) से (घ): भारतीय रेल सम्पूर्ण रेल नेटवर्क पर यात्री मांग और क्षमता का नियमित रूप से आकलन करती है। ऐसे आकलनों के आधार पर, यात्री मांग को पूरा करने के लिए विशेष रेलगाड़ियों सहित अतिरिक्त रेलगाड़ी सेवाएं शुरू/परिचालित की जाती हैं।

चूँकि रेल नेटवर्क राज्य सीमाओं के आर-पार फैला होता है, इसलिए नेटवर्क की आवश्यकतानुसार ऐसी सीमाओं के आर-पार रेलगाड़ी चलाई जाती हैं। वर्तमान में, आनंदपुर साहिब, रूपनगर, ऊना हिमाचल और

नंगल डैम स्टेशनों को क्रमशः 28, 26, 18 और 26 रेलगाड़ी सेवाएं प्रदान की जाती हैं, जैसा कि नीचे सूचीबद्ध है:

आनंदपुर साहिब:

क्र.सं.	गाड़ी संख्या और नाम
1	12057 नई दिल्ली - दौलतपुर चौक जन शताब्दी एक्सप्रेस
2	12058 दौलतपुर चौक-नई दिल्ली जन शताब्दी एक्सप्रेस
3	12325 कोलकाता - नंगल डैम गुरुमुखी एक्सप्रेस
4	12326 नंगल डैम - कोलकाता गुरुमुखी एक्सप्रेस
5	14053 दिल्ली - दौलतपुर चौक हिमाचल एक्सप्रेस
6	14054 दौलतपुर चौक-दिल्ली हिमाचल एक्सप्रेस
7	14505 अमृतसर-नंगल डैम एक्सप्रेस
8	14506 नंगल डैम-अमृतसर एक्सप्रेस
9	19307 इंदौर-उना हिमाचल एक्सप्रेस
10	19308 उना हिमाचल-इंदौर एक्सप्रेस
11	19411 गांधीनगर कैपिटल - दौलतपुर चौक एक्सप्रेस
12	19412 दौलतपुर चौक-गांधीनगर कैपिटल एक्सप्रेस
13	22447 नई दिल्ली-अंब अन्दौरा वंदे भारत एक्सप्रेस
14	22448 अंब अन्दौरा-नई दिल्ली वंदे भारत एक्सप्रेस
15	22709 हजूर साहिब नान्देड - अंब अन्दौरा एक्सप्रेस
16	22710 अम्ब अन्दौरा - हजूर साहिब नान्देड एक्सप्रेस
17	64511 हरिद्वार - अंब अन्दौरा मेमू
18	64512 अंब अन्दौरा - हरिद्वार मेमू
19	64515 अंबाला कैंट - नंगल डैम मेमू
20	64516 नंगल डैम - अंबाला कैंट मेमू
21	64517 अंबाला कैंट - नंगल डैम मेमू
22	64518 नंगल डैम - अंबाला कैंट मेमू
23	64563 रायपुर हरियाणा - अंब अन्दौरा मेमू
24	64564 अंब अन्दौरा - रायपुर हरियाणा मेमू
25	74991 अम्बाला कैंट - दौलतपुर चौक डेमू
26	74992 दौलतपुर चौक - डेमू अम्बाला कैंट डेमू

27	64513 सहारनपुर - नंगल डैम मेमू
28	64514 नंगल डैम - अम्बाला कैंट मेमू

रूपनगर और नंगल डैम:

क्र.सं.	गाड़ी संख्या और नाम
1.	12057 नई दिल्ली - दौलतपुर चौक जन शताब्दी एक्सप्रेस
2.	12058 दौलतपुर चौक-नई दिल्ली जन शताब्दी एक्सप्रेस
3.	12325 कोलकाता - नंगल डैम गुरुमुखी एक्सप्रेस
4.	12326 नंगल डैम - कोलकाता गुरुमुखी एक्सप्रेस
5.	14053 दिल्ली - दौलतपुर चौक हिमाचल एक्सप्रेस
6.	14054 दौलतपुर चौक-दिल्ली हिमाचल एक्सप्रेस
7.	14505 अमृतसर-नंगल डैम एक्सप्रेस
8.	14506 नंगल डैम-अमृतसर एक्सप्रेस
9.	19307 इंदौर-ऊना हिमाचल एक्सप्रेस
10.	19308 ऊना हिमाचल-इंदौर एक्सप्रेस
11.	19411 गांधीनगर कैपिटल - दौलतपुर चौक एक्सप्रेस
12.	19412 दौलतपुर चौक-गांधीनगर कैपिटल एक्सप्रेस
13.	22709 हजूर साहिब नांदेड़ - अम्ब अन्दौरा एक्सप्रेस
14.	22710 अंब अंदौरा-हजूर साहिब नांदेड़ एक्सप्रेस
15.	64511 हरिद्वार - अम्ब अन्दौरा मेमू
16.	64512 अम्ब अन्दौरा- हरिद्वार मेमू
17.	64515 अंबाला कैंट - नंगल डैम मेमू
18.	64516 नंगल डैम - अंबाला कैंट मेमू
19.	64517 अंबाला कैंट - नंगल डैम मेमू
20.	64518 नंगल डैम - अंबाला कैंट मेमू
21.	64563 रायपुर हरियाणा - अम्ब अन्दौरा मेमू
22.	64564 अम्ब अन्दौरा- रायपुर हरियाणा मेमू
23.	74991 अंबाला कैंट - दौलतपुर चौक डेमू

24.	74992 दौलतपुर चौक - अंबाला कैंट डेमू
25.	64513 सहारनपुर - नंगल डैम मेमू
26.	64514 नंगल डैम - अंबाला कैंट मेमू

ऊना हिमाचल:

क्र.सं.	गाड़ी संख्या और नाम
1	12057 नई दिल्ली - दौलतपुर चौक जन शताब्दी एक्सप्रेस
2	12058 दौलतपुर चौक - नई दिल्ली जन शताब्दी एक्सप्रेस
3	14053 दिल्ली - दौलतपुर चौक हिमाचल एक्सप्रेस
4	14054 दौलतपुर चौक - दिल्ली - हिमाचल एक्सप्रेस
5	19307 इंदौर - उना हिमाचल एक्सप्रेस
6	19308 उना हिमाचल - इंदौर एक्सप्रेस
7	19411 गांधीनगर कैपिटल - दौलतपुर चौक एक्सप्रेस
8	19412 दौलतपुर चौक - गांधीनगर कैपिटल एक्सप्रेस
9	22447 नई दिल्ली - अम्ब अन्दौरा वंदे भारत एक्सप्रेस
10	22448 अम्ब अन्दौरा- नई दिल्ली वंदे भारत एक्सप्रेस
11	22709 हजूर साहिब नान्देड- अम्ब अन्दौरा एक्सप्रेस
12	22710 अम्ब अन्दौरा- हजूर साहिब नान्देड एक्सप्रेस
13	64511 हरिद्वार - अम्ब अन्दौरा मेमू
14	64512 अम्ब अन्दौरा- हरिद्वार मेमू
15	64563 रायपुर हरियाणा - अम्ब अन्दौरा मेमू
16	64564 अम्ब अन्दौरा- रायपुर हरियाणा मेमू
17	74991 अंबाला कैंट - दौलतपुर चौक डेमू
18	74992 दौलतपुर चौक - अम्बाला कैंट डेमू

वर्ष 2024-2026 के दौरान, रूपनगर-आनंदपुर साहिब-नंगल डैम-ऊना हिमाचल खंड के यात्रियों की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए निम्नलिखित गाड़ी सेवाओं का विस्तार किया गया है:

1	19307/19308 इंदौर-चंडीगढ़ एक्सप्रेस का 14.03.2024 से ऊना हिमाचल तक विस्तार
2	64511/64512 सहारनपुर-ऊना हिमाचल पैसेंजर को 19.07.2025 से अंब अन्दौरा तक बढ़ाना।

भारतीय रेल ने नवंबर-2021 में 'भारत गौरव रेलगाड़ी ' नीति जारी की है, जिसका उद्देश्य भारत गौरव रेलगाड़ियों के माध्यम से भारत की समृद्ध सांस्कृतिक धरोहर और शानदार ऐतिहासिक स्थलों को प्रदर्शित करना है। नीति के तहत, सेवा प्रदाताओं को भारत गौरव पर्यटक सर्किट रेलगाड़ियों के संचालन के लिए थीम/यात्रा कार्यक्रम तय करने की पूरी छूट दी गई है, जिसमें बाजार की मांग, वाणिज्यिक व्यवहार्यता आदि के आधार पर पंजाब राज्य सहित भारत के किसी भी हिस्से के पर्यटक सर्किट शामिल हो सकते हैं।

अभी तक, भारत गौरव ट्रेन "गुरु कृपा यात्रा" की एक यात्रा आनंदपुर साहिब क्षेत्र में श्री केशगढ़ साहिब सहित पंजाब में विभिन्न तीर्थ स्थलों को कवर करते हुए परिचालित की गई है।

इसके अलावा, भारतीय रेल पर वंदे भारत सेवाओं सहित नई रेलगाड़ी सेवाओं को चालू करना सतत् प्रक्रिया है जो विभिन्न कारकों पर निर्भर करता है, जिनमें शामिल हैं:

- संबंधित खंड की क्षमता
- पथ की उपलब्धता
- अपेक्षित चल स्टॉक की उपलब्धता
- चल स्टॉक के लिए उपयुक्त अवसंरचना की उपलब्धता
- रेलपथ और अन्य परिसंपत्तियों की अनुरक्षण आवश्यकता

<u>पंजाब में रेल नेटवर्क का विस्तार</u>

उत्तरी पंजाब में रेल संपर्कता को बेहतर बनाने के लिए, नंगल डैम - तलवाड़ा - मुकेरियां नई लाइन (123 कि.मी.) स्वीकृत की गई थी। नंगल डैम-ऊना - अन्दौरा - दौलतपुर चौक खंड को जोड़ने वाली इस परियोजना के 60 कि.मी. का कार्य शुरू हो चुका है। दौलतपुर चौक - तलवाड़ा - मुकेरियां खंड का कार्य शुरू कर दिया गया है।

चंडीगढ़-बद्दी नई लाइन (28 कि.मी.) का कार्य भी 1540 करोड़ रुपये की लागत से शुरू किया गया है। इस लाइन को आगे बढ़ाने के लिए बद्दी-घनौली नई लाइन (25 कि.मी.) के लिए सर्वेक्षण पूरा कर लिया गया है और विस्तृत परियोजना रिपोर्ट तैयार कर ली गई है।

विस्तृत परियोजना रिपोर्ट तैयार करने के बाद, परियोजना की स्वीकृति के लिए राज्य सरकारों सहित विभिन्न हितधारकों के साथ परामर्श और आवश्यक अनुमोदन जैसे नीति आयोग, वित्त मंत्रालय आदि के मूल्यांकन की आवश्यकता होती है। चूंकि परियोजनाओं की स्वीकृति सतत और गतिशील प्रक्रिया है, इसलिए सटीक समय-सीमा निर्धारित नहीं की जा सकती है।

पंजाब राज्य में पूर्णत:/अंशत: पड़ने वाली अवसंरचना परियोजनाओं और संरक्षा कार्यों के लिए किया गया बजट आवंटन निम्नानुसार है:

अवधि	परिव्यय
2009-14	225 करोड़ रुपए/वर्ष
2025-26	5,421 करोड़ रुपए (24 गुना से अधिक)

01.04.2025 की स्थिति के अनुसार, पंजाब राज्य में पड़ने वाली कुल 714 कि.मी. लंबाई की पूर्णत:/अंशत: 09 परियोजनाएँ (04 नई लाइन और 05 दोहरीकरण) जिनकी लागत 21,926 करोड़ रुपए है, योजना/स्वीकृति/निष्पादन के विभिन्न चरणों में हैं, जिनमें से 115 कि.मी. की लंबाई को कमीशन किया जा चुका है और मार्च 2025 तक 8,079 करोड़ रुपए व्यय किए जा चुके हैं। सार इस प्रकार है:-

कोटि	परियोजनाओं की संख्या	कुल लंबाई	कमीशन की गई लंबाई	मार्च-2025 तक व्यय (करोड़ रुपए में)
नई लाइन	04	252 कि.मी.	64 कि.मी.	7359
दोहरीकरण/ मल्टी ट्रैकिंग	05	462 कि.मी.	51 कि.मी.	720
कुल	09	714 कि.मी.	115 कि.मी.	8,079

पिछले तीन वर्षों में, अर्थात् 2022-23, 2023-24, 2024-25 और वर्तमान वित्त वर्ष 2025-26 में, पंजाब राज्य में अंशतः/पूर्णतः पड़ने वाली 2,101 किलोमीटर की कुल लंबाई को कवर करते हुए 22 सर्वेक्षण (09 नई लाइन, 12 दोहरीकरण और 01 आमान परिवर्तन) किए गए हैं।

<u>पंजाब में स्टेशन पुनर्विकास</u>

रेल मंत्रालय ने दीर्घकालिक दृष्टिकोण के साथ स्टेशनों के पुनर्विकास हेतु अमृत भारत स्टेशन योजना शुरू की है।

इस योजना में स्टेशनों को बेहतर बनाने के लिए मास्टर प्लान तैयार करना और चरणों में उनका कार्यान्वयन करना शामिल हैं। मास्टर प्लानिंग में निम्नलिखित शामिल हैं:

- स्टेशन और परिचलन क्षेत्रों तक पहुँच में सुधार
- स्टेशन का शहर के दोनों भागों के साथ एकीकरण
- स्टेशन भवन में सुधार
- प्रतीक्षालय, शौचालय, बैठक व्यवस्था, वाटर-बूथों में सुधार
- यात्री यातायात के अनुरूप चौड़े ऊपरी पैदल पुल/एयर कॉन्कोर्स की व्यवस्था
- लिफ्ट/एस्केलेटर/रैंप की व्यवस्था

- प्लेटफ़ॉर्म की सतह में सुधार/निर्माण और प्लेटफ़ॉर्म पर कवर की व्यवस्था
- 'एक स्टेशन एक उत्पाद' जैसी योजनाओं के माध्यम से स्थानीय उत्पादों के लिए कियोस्क की व्यवस्था
- पार्किंग क्षेत्र, यातायात के विभिन्न साधनों का एकीकरण
- दिव्यांगजनों के लिए सुविधाएँ
- बेहतर यात्री सूचना प्रणाली
- प्रत्येक स्टेशन पर आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए एक्ज़ीक्यूटिव लाउंज, व्यावसायिक बैठकों के लिए निर्दिष्ट स्थान, लैंडस्केपिंग आदि की व्यवस्था।

इस योजना में आवश्यकतानुसार, चरणबद्ध एवं व्यवहार्य रूप से दीर्घकालिक और पर्यावरण अनुकूल समाधान, गिट्टी रहित पटरियों का प्रावधान आदि और दीर्घावधि में स्टेशन पर सिटी सेन्टरों के निर्माण की भी परिकल्पना की गई है।

अब तक, अमृत भारत योजना के तहत 1337 रेलवे स्टेशनों को चिह्नित किया गया है, जिसमें से 30 स्टेशन पंजाब राज्य में स्थित हैं। पंजाब में अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत विकास के लिए चिह्नित स्टेशनों के नाम निम्नानुसार हैं:

राज्य	स्टेशनों की संख्या	स्टेशनों के नाम
पंजाब	(30)	अबोहर, अमृतसर, आनंदपुर साहिब, ब्यास, भटिंडा जंक्शन, ढंडारी कलां, धुरी, फाजिलका, फिरोजपुर कैंट, गुरदासपुर, होशियारपुर, जालंधर कैंट, जालंधर सिटी, कपूरथला, कोटकपुरा, लुधियाना, मलेरकोटला, मानसा, मोगा, मुक्तसर, नंगल डैम, पठानकोट कैंट, पठानकोट सिटी, पटियाला, फगवाड़ा, फिल्लौर, रूपनगर, साहिबजादा अजीत सिंह नगर मोहाली, संगरूर, सरहिंद

पंजाब में अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत रेलवे स्टेशनों पर विकास तेज गति से किए जा रहे हैं। अब तक पंजाब में 03 स्टेशनों (आनंदपुर साहिब, मुक्तसर, साहिबजादा अजीत सिंह नगर मोहाली) का कार्य इस योजना के तहत पूरा हो चुका है। अन्य स्टेशनों पर भी कार्य तेज गति से किया जा रहा है और कुछ स्टेशनों की प्रगति निम्नानुसार है:

- गुरदासपुर स्टेशन: स्टेशन भवन, प्रांगण, प्लेटफॉर्म शेल्टर, प्रतीक्षालय, शौचालय, परिचलन क्षेत्र, पार्किंग और मुख्य प्रवेश द्वार पर प्रकाश व्यवस्था के सुधार का कार्य पूरा हो चुका है। मुख्य

प्रवेश द्वार पर प्रवेश/निकास द्वार, नया प्लेटफॉर्म नंबर 2, बुकिंग सह प्रतीक्षालय, परिचलन क्षेत्र, पार्किंग और प्रवेश/निकास द्वार और 12 मीटर पैदल पार पुल का कार्य शुरू कर दिया गया है।

- फाज़िल्का स्टेशन: स्टेशन भवन, प्रांगण, प्लेटफॉर्म शेल्टर, प्लेटफॉर्म सतह, शौचालय, परिचलन क्षेत्र, पार्किंग, प्रवेश/निकास द्वार, मुख्य प्रवेश द्वार पर साइनेज और प्रकाश व्यवस्था के सुधार का कार्य पूरा हो चुका है। 6 मीटर पैदल पार पुल का कार्य शुरू कर दिया गया है।

- फगवाड़ा स्टेशन: स्टेशन भवन, प्रांगण, प्लेटफॉर्म शेल्टर, प्लेटफॉर्म सतह, प्रतीक्षालय, शौचालय, परिचलन क्षेत्र, पार्किंग, एक्जीक्यूटीव लाउंज, प्रवेश/निकास द्वार, साइनेज, मुख्य द्वार पर प्रकाश की व्यवस्था, नया बुकिंग सह प्रतीक्षालय, परिचलन क्षेत्र और दूसरी प्रवेश द्वार पर पहुंच मार्ग के सुधार का कार्य पूरा हो चुका है। लिफ्ट, स्वचालित सीढ़ियाँ और 12 मीटर पैदल पार पुल का कार्य शुरू कर दिया गया है।

- फिल्लौर स्टेशन: स्टेशन भवन, प्रांगण, प्लेटफॉर्म शेल्टर, प्लेटफॉर्म सतह, शौचालय, परिचलन क्षेत्र, पार्किंग, प्रवेश/निकास द्वार, साइनेज और प्रकाश की व्यवस्था का सुधार कार्य पूरा हो चुका है। 12 मीटर पैदल पार पुल का कार्य शुरू कर दिया गया है।

- कपूरथला स्टेशन: स्टेशन भवन, प्रांगण, प्लेटफॉर्म शेल्टर, प्लेटफॉर्म सतह, प्रतीक्षालय, शौचालय, परिचलन क्षेत्र, पार्किंग, प्रवेश/निकास द्वार, साइनेज, मुख्य प्रवेश की ओर प्रकाश व्यवस्था, नए बुकिंग सह प्रतीक्षालय, पार्किंग और दूसरे प्रवेश द्वार पर परिचलन क्षेत्र का सुधार का कार्य पूरा हो चुका है। 12 मीटर पैदल पार पुल का कार्य शुरू किया गया है।

इसके अलावा, भारतीय रेल पर स्टेशनों का विकास/पुनर्विकास/उन्नयन/आधुनिकीकरण प्रतीक्षा कक्ष और पेयजल की सुविधाओं के प्रावधान सहित निरंतर चलने वाली सतत प्रक्रिया है और इस संबंध में कार्य आवश्यकतानुसार, परस्पर वरीयता और धन की उपलब्धता के अधीन किए जाते हैं। स्टेशन का विकास/पुनर्विकास/उन्नयन/आधुनिकीकरण स्टेशन की कोटि/स्थिति/यातायात संभलाई आदि के आधार पर किया जाता है।

रेलवे स्टेशनों का उन्नयन/विकास/पुनर्विकास जटिल प्रकृति का होता है जिसमें यात्रियों और रेलगाड़ियों की संरक्षा शामिल होती है और इसके लिए फायर क्लीयरेंस, धरोहर, पेड़ों की कटाई, विमानपत्तन संबंधी स्वीकृति इत्यादि जैसी विभिन्न सांविधिक स्वीकृतियों की आवश्यकता होती है। इनकी प्रगति जनोपयोगी सेवाओं को स्थानांतरित करना, (जिनमें जल/सीवेज लाइन, ऑप्टिकल फाइबर केबल, गैस पाइप लाइन, पावर/सिगनल केबल इत्यादि शामिल हैं) अतिलंघन, यात्री संचलन को बाधित किए बिना रेलगाड़ियों का परिचालन, रेलपथ एवं उच्च वोल्टेज बिजली लाइनों के नजदीक किए जाने वाले कार्यों के कारण गति प्रतिबंध आदि के कारण भी प्रभावित होती है और ये कारक कार्य को पूरा करने के समय को प्रभावित करते हैं।

अमृत भारत स्टेशन योजना सहित स्टेशनों के विकास/उन्नयन/आधुनिकीकरण का वित्तपोषण सामान्यतः योजना शीर्ष-53 'ग्राहक सुविधाएँ' के अंतर्गत किया जाता है। योजना शीर्ष-53 के अंतर्गत आबंटन और व्यय का ब्यौरा क्षेत्रीय रेल-वार रखा जाता है, न कि कार्य-वार या स्टेशन-वार या राज्य-वार। पंजाब दो रेल क्षेत्रों, अर्थात् उत्तर रेलवे और उत्तर पश्चिम रेलवे के अधिकार क्षेत्र में आता है। पिछले चार वर्षों और वर्तमान वर्ष के लिए, 8,501 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं जबकि पिछले चार वर्षों और वर्तमान वर्ष (दिसंबर, 2025 तक) के दौरान 7,131 करोड़ रुपए का व्यय उपगत किया गया है।

******